शिमला-हि.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान की राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने राजभवन शिमला से हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। इस आध्यात्मिक संस्थान के कार्यों की सराहना करने के साथ-साथ उन्होंने प्रदेश वासियों का इस अभियान में सहयोग देने के लिए आह्वान किया।

जालंधर-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के साकार संस्थापक पिता श्री ब्रह्मा बाबा के जीवन एवं संस्थान के इतिहास पर आधारित एनिमेटेड फिल्म 'द लाइट' की सर्ब मल्टीप्लेक्स में स्क्रीनिंग के अवसर पर दैनिक उत्तम हिन्दू समाचार पत्र के चीफ एडिटर इरविन खन्ना, पंजाब केसरी समाचार पत्र के मुख्य सम्पादक अभिजय चोपड़ा, लवली ग्रुप से रमेश मित्तल एवं नरेश मित्तल, डॉ. सुषमा चावला, पूर्व मेयर जगदीश राजा, सर्ब मल्टीप्लेक्स के निर्देशक परमवीर सिंह, विभिन्न नगरों से आए वरिष्ठ ब्र.कु. बहनें एवं भाई तथा अन्य लोग शामिल रहे।

रोहतक-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. कुसुम बहन, डॉ. सुशील कुमार,कैंसर विशेषज्ञ पीजीआईएमएस रोहतक, ब्र.कु. वंदना बहन, के.वी.एम. कॉलेज के निदेशक कर्मवीर मायना, श्रीमती जीवनी देवी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

सादाबाद-उ.प्र.। मातृ दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के शिव शक्ति भवन सेवाकेंद्र में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान की जिला संचालिका ब्र.कु. सीता दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. भावना दीदी, शिक्षा विभाग से वरिष्ठ शिक्षक डॉ. ज्वाला सिंह, कवि सुरेश सादाबादी, ब्र.कु. सीमा बहन, ब्र.कु. मिथलेश बहन, ब्र.कु. बबिता बहन सहित अन्य बहनें व मातायें शामिल रहीं। कार्यक्रम में मौजूद सभी माताओं को सम्मानित किया गया।

पूसा-समस्तीपुर(बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मंच पर उपस्थित हैं डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी.सी. पाण्डेय, विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. एम.एस. कुंडू, ब्र.कु. सविता बहन, प्रमुख व्यवसायी सतीश चांदना एवं कृष्ण भाई।

आगरा-सिकंदरा(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. सरिता बहन, ब्र.कु. तनु बहन, प्रभा हॉस्पिटल के ओनर बी.के. सिंह, प्रभा सिंह एवं अन्य सभी नर्सिंग स्टाफ।

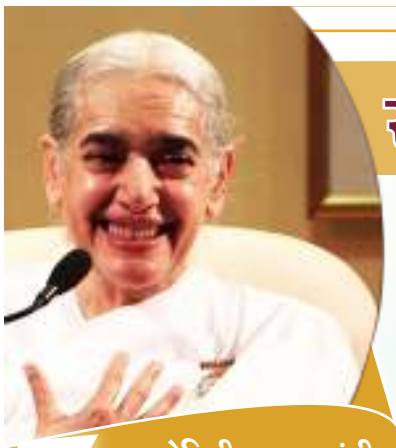

घर के गेट खोलने की चाबी... वैराग्य वृत्ति

साधन होते भी साधनों में रग न जाये

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

अपनी मन की वृत्ति बिल्कुल साफ है, बिल्कुल बाबा की भावना है, बाबा के प्रति ये संकल्प है कि जो बाबा हमसे सेवा कराये तो वो सेवा अपने आप ही होती रहती।

गतांक से आगे...

जैसा कि पिछले अंक में आपने पढ़ा कि 40 वर्ष मैं दादी के पास एक ही कमरे में रही। तो दादी की कई बातें कदम-कदम पर याद आती ही रहती हैं। दादी ने कहा था कि मैं अपना हिसाब रखती हूँ सवेरे से रात्रि तक, मैं कितना लेती हूँ अपने तन के लिए, अपने मन के लिए और मैं कितना बाबा को सेवा में रिटर्न देती हूँ। मैं बिल्कुल ये हिसाब रखती हूँ कि लिया कितना स्थूल हिसाब से और मैंने दिया कितना सेवा के हिसाब से। अब आगे पढ़ते हैं...

गरीब ते गरीब भी कोई इतना हिसाब नहीं रखता कि मैंने लिया कितना और किया कितना। परंतु बाबा के बच्चे इतनी ऊंची स्थिति वाले भी ये ध्यान रखते। तो उस हिसाब से आप सोचो बाबा से जो सूक्ष्म लेते हैं उसकी तो कोई गिनती ही नहीं है। परंतु स्थूल में भी हम बाबा से लेते क्या हैं और रिटर्न में देते क्या हैं। तो जब ये हमारा इतना वैराग्य होगा कि हमें इस संसार से कुछ भी नहीं चाहिए। हाँ, बाबा प्रकृति दासी भी करता, परंतु उसमें भी मुझे कहाँ तक स्वीकार करना है ये मुझे अपना हिसाब रखना है। दादी के पास कितने लोगों ने आकर बढ़िया गाड़ी की चाबी दी होगी जब बहुत ज़्यादा भण्डारे में भी नहीं था, सिम्पल लाइफ थी। लंडन में तो एक भाई ने बहुत बढ़िया गाड़ी की चाबी आकर दादी को दी। दादी ने वो चाबी उनको वापस की, क्यों? दादी ने कहा कि मैं ये स्वीकार नहीं कर सकती हूँ। क्योंकि बाबा कहते हैं कि साधारण रीति से अपने जीवन को व्यतीत करो। न कि कोई ऐसी जीवन हो जिसमें औरों का ध्यान चला जाये कि योगी लोग क्या कर रहे हैं? तो उस भाई ने फिर कहा कि अच्छा सेवा के लिए अभी काम की चीज़ क्या हो सकती? तो दादी ने कहा कि मैं कहाँ भी क्लास के लिए जाती हूँ, भाषण के लिए बड़ा परिवार है तो आठ-दस लोग तो कह देते कि हमको दादी के साथ चलना है, परिवार इतना बड़ा तो नहीं था उस समय, तो आप ऐसी गाड़ी लेकर आओ जिसमें आठ-सात लोग बैठ सकें। ताकि उन्हों की सेवा हो सके। और वो बाबा के नज़दीक आ सकें। तो भाई आज्ञाकारी था तो वही काम किया और वो गाड़ी वापस करके वो गाड़ी लेकर आया जिससे सेवा हो सके।

तो जब मन में अपने लिए बिल्कुल कुछ संकल्प नहीं है कि ये मुझे चाहिए तो फिर हम देखते हैं कि सेवा के लिए भी प्रकृति दासी बनती। परंतु सेवा के लिए भी ये संकल्प न हो कि इस चीज़ के बिना सेवा नहीं हो सकती। शुरूआत में जब वारिस आत्मायें निकले, जब दादियां चौदह साल की भट्ठी करके संसार में वापिस लौटी तो उस समय दादियों के पास न कोई पुस्तक थी हाथ में और न कोई टोली। कुछ भी नहीं था। सेवा कैसे हुई? उन्हों की दृष्टि के द्वारा, उन्हों के मुख द्वारा जो बाबा ज्ञान सुनाते थे वो ज्ञान सुनाते रहे तो मुख द्वारा, दृष्टि द्वारा, संकल्प द्वारा वारिस आत्मायें पैदा हुईं। जिन्होंने फिर सेवा की रिस्पॉन्सिबिलिटी उठाई सारे भारत में तो क्या सारे विदेश में भी। तो सेवा के लिए कुछ चीज़ नहीं चाहिए। सेवा के लिए चाहिए साफ दिल और मन की वृत्ति।

मन की वृत्ति में ये है कि जो बाबा ने हमें दिया है वो हमें औरों को देना है। तो फिर उस वृत्ति के आधार से वो वातावरण भी बनता और फिर उस वातावरण से जो भी आत्मायें आती वो नज़दीक आती। विदेश की सेवा शुरू कहाँ से होती? दो छोटे कमरे। और छोटे कमरे तो थे लेकिन उनकी दीवारों में गीलापन था। तो वैसे तो दादी की तबियत ऐसी थी कि लंग्स का सदा ही दादी को प्रॉब्लम रहता था बचपन से ही। तो दादी ने ये नहीं सोचा कभी कि ये स्थान मेरे लिए योग्य नहीं है। ये स्थान मेरी तबियत को बिगाड़ेगा,नहीं। बाबा का स्थान है बस यही संकल्प।

उस छोटे से स्थान पर इतनी तपस्या रही कि विश्व की जो मुख्य देश, सारे विदेश की सेवा सम्भालने वाले आज हैं कई आत्मायें उस छोटे से स्थान से जन्म लिया, पालना ली और बड़े होकर उन्होंने भिन्न-भिन्न देशों में जाकर सेवायें की। तो ये जो मैं आपको बातें बता रही हूँ ये प्रैक्टिकल हमारे अनुभवों की हैं। ये थ्योरी की बातें नहीं हैं। अपनी मन की वृत्ति बिल्कुल साफ है, बिल्कुल बाबा की भावना है, बाबा के प्रति ये संकल्प है कि जो बाबा हमसे सेवा कराये तो वो सेवा अपने आप ही होती रहती। और जो भी साधन की ज़रूरत होती वो भी हमें प्राप्त होता रहता। तो कहाँ पर भी हमारी रग न जाये।

- क्रमशः

कोटा-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर चिकित्सकों के लिए 'सम्पूर्ण स्वस्थ जीवनशैली' विषय पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. उर्मिला दीदी, महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सतीश गुप्ता, डॉ. आर.बी. गुप्ता,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चिकित्सा प्रकोष्ठ भाजपा राज., डॉ. चन्द्रभान सिंह राजावत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जगदीश सोनी, डॉ. अशोक शारदा, कोटा आईएमए अध्यक्ष डॉ. मीनाक्षी शारदा, डॉ. आर.सी. साहनी, डॉ. दीपक गुप्ता सहित शहर के अन्य प्रमुख चिकित्सक शामिल रहे।

रामगंजमंडी-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा नर्सेस डे के अवसर पर रामगंजमंडी के हाउसिंग बोर्ड स्थित गवर्नमेंट हॉस्पिटल में कार्यक्रम का आयोजन कर स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन, ब्र.कु. जागृति बहन व ब्र.कु. हर्षिता बहन द्वारा सभी नर्सिंग स्टाफ को उनकी अथक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. प्रमोद स्नेही,वरिष्ठ चिकित्सा प्रभारी, डॉ. गोविंद यादव, डॉ. भूपेन्द्र, डॉ. सुनीता तथा समस्त नर्सिंग ऑफिसर्स कमलेश अजमेरा, नीरज सरसिया, सज्जिन कुट्टन, इमरान हुसैन, महावीर जी, प्रकाश जी, चंद्रप्रकाश जी, धनराज जी, उषा जी, बालकिशन जी, नीरज जी, मीना जी, इमरान खान, कल्पना पचाल, रितु मीना व सहायक कर्मचारी उत्तम जी, नरेश जी, सुनील सरसिया आदि शामिल रहे।

एस.बी.एस. नगर-नवांशहर(पंजाब)। जिला लोक संपर्क अधिकारी अरुण चौधरी को मीडिया द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी देने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राम भाई।